ॐ

~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय।

कक्षा- अष्टम विषय हिन्दी

दिनांक-29/06/2020 प्रश्न-अभ्यास

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

शुभ प्रभात,

आपके चेहरे पर हमेशा खुशियाँ ही खुशियाँ थिरकती रहे!

बाट की पहचान

(प्रश्न-अभ्यास)

4.**'पथ की पहचान'** कविता का मुख्य भाव लिखिए।

5 . उन पंक्तियों का चुनाव करें जिनके निम्न भाव हैं:
~~~~

(क) अच्छे-बुरों की चिंता व्यर्थ है।

(ख) हमें अपना सारा ध्यान उसी मार्ग पर लगाना चाहिए।

(ग) यात्रा कब समाप्त हो जाएगी, उसका समय अनिश्चित है।

(घ)हे पथिक ! चाहे कुछ हो जाए, तुम रुकना मत।

6.इन पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) "अनगिनत राही गए इस राह से उनका पता क्या,
पर गए कुछ लोग इस पर, छोड़ पैरों की निशानी।
यह निशानी मूक होकर भी बहुत कुछ बोलती है,
खोल इसका अर्थ पंथी, पंथ का अनुमान कर ले।"

(ख)”है अनिश्चित किस जगह पर सरित, गिरि, गह्वर मिलेंगे, है अनिश्चित किस जगह पर बाग-वन सुंदर मिलेंगे।“

धन्यवाद

कुमारी पिंकी “कुसुम”